वार्षिक आख्या

2016-17

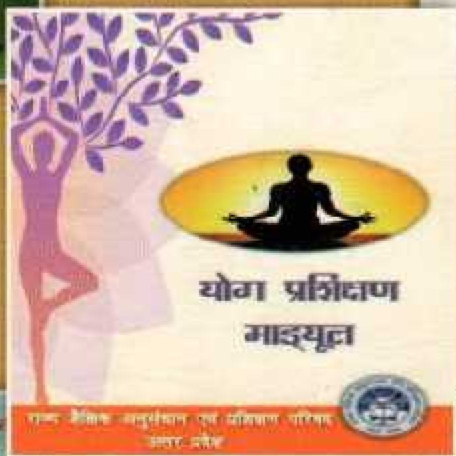

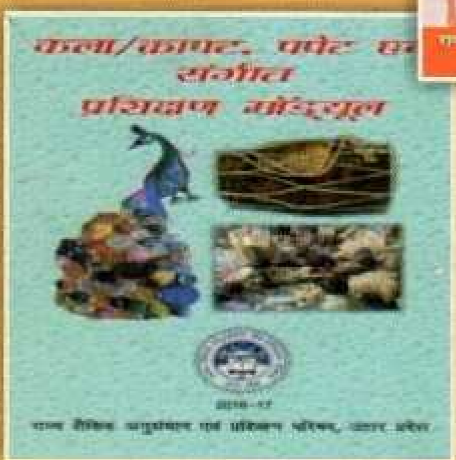

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,

उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

अनुक्रमणिका

क्रम सं0	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
1	परिदृश्य	2
2	सेवापूर्व प्रशिक्षण	5
3	सेवारत शिक्षक–प्रशिक्षण	9
4	पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्य सामग्री विकास	13
5	शोध एवं सर्वेक्षण	16
6	नई पहल	20
7	विज्ञान प्रदर्शनी	24
8	आई0सी0टी0: प्रयास	25
9	TE-Talks	26
10	विशेष कार्यक्रम : एक झलक	27
11	Joint Review Mission 2016 का प्रदेश भ्रमण	30
12	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों अनुश्रवण तथा निरीक्षण	31
13	जनपद स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण	32
14	परिषद की इकाइयों द्वारा संपन्न करायी गयी गतिविधियां	35
15	केन्द्र पुरोनिधानित शिक्षक–शिक्षा योजनान्तर्गत:बजट	36

परिदृश्य

प्रदेश में स्कूल–शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों के विकास, शिक्षकों के प्रशिक्षण, शैक्षिक मूल्यांकन, शोध तथा नवाचारों के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एस0सी0ई0आर0टी0), उत्तर प्रदेश की स्थापना वर्ष 1981 में जनपद लखनऊ में की गयी। इसके मुख्य कार्य निम्नवत् हैं :–

- प्रारम्भिक स्तरीय शिक्षकों के लिए सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम, पाठयपुस्तकों, शिक्षक संदर्शिकाओं एवं अन्य उपयोगी साहित्य का विकास।
- शोध, सर्वेक्षण एवं नवाचार कार्यक्रमों का संचालन।
- शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शैक्षिक प्रशासकों का क्षमता संवर्द्धन।
- उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन।
- निजी संस्थानों को बी0टी0सी0 / एन0टी0टी0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालन हेतु सम्बद्धता प्रदान करना।
- उत्तर प्रदेश निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 के भाग–7 धारा–29 के प्रयोजनार्थ शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या एवं मूल्यांकन का निर्धारण करना।

एस0सी0ई0आर0टी0 अपने कार्यों का संपादन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अपनी निम्नवत् विशिष्ट इकाइयों के माध्यम से करती है।

- **उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (आई0ए0एस0ई0), इलाहाबाद**
- **कालेज आफ टीचर एजूकेशन (सी0टी0ई0) लखनऊ, इलाहाबाद एवं वाराणसी**
- **राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद**
- **राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद**
- **मनोविज्ञानशाला, उ0प्र0, इलाहाबाद**
- **राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी**
- **राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान, उ0प्र0, लखनऊ**
- **आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद**
- **राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रामपुर एवं इलाहाबाद**
- **राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद एवं आगरा**
- **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान**
- **परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद**

परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद

परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश का कार्यालय जनपद इलाहाबाद में स्थित है। इस कार्यालय द्वारा विभिन्न परीक्षा आयोजित करायी जाती हैं। निदेशक, राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद पदेन सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के रूप में कार्य करते हैं। परीक्षा नियामक प्राधिकारी द्वारा किये जा रहे मुख्य कार्य निम्नवत् हैं –

1. बी0टी0सी0 प्रशिक्षण सम्बन्धी कार्यवाही
2. बी0टी0सी0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालन हेतु एन0सी0टी0ई0 से मान्यता प्राप्त निजी बी0टी0सी0 संस्थानों को सम्बद्धता प्रदान करने सम्बन्धी कार्यवाही
3. बी0टी0सी0, विशिष्ट बी0टी0सी0, दो वर्षीय बी0टी0सी0 उर्दू विशेष प्रशिक्षण 2005, 2006 (प्रथम) एवं 2006 (द्वितीय) की परीक्षा का आयोजन
4. दूरस्थ माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षा मित्रों की परीक्षा का आयोजन
5. प्रशिक्षु शिक्षक चयन 2011 के प्रशिक्षणार्थियों की परीक्षा का आयोजन
6. मृतक आश्रित के रूप में नियुक्त शिक्षकों की बी0टी0सी0 प्रशिक्षणोपरान्त परीक्षा का आयोजन
7. विभिन्न छात्रवृत्ति परीक्षाओं का आयोजन
8. समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा का आयोजन
9. अध्यापक पात्रता परीक्षा का आयोजन

अध्यापक पात्रता परीक्षा

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुक्रम में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचना दिनांक 23.08.2010 एवं संशोधित अधिसूचना दिनांक 29.07.2011 द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों हेतु न्यूनतम अर्हता निर्धारित की गयी है जिसके अनुसार शिक्षक के रूप में नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता के साथ–साथ राज्य सरकार द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी0ई0टी0) उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा अपने राज्य की परिसीमा में संचालित सभी प्रकार के प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 8) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने हेतु संचालित यह परीक्षा 'शिक्षक पात्रता परीक्षा–उत्तर प्रदेश' (UPTET) परीक्षा के रूप में जानी जाती है। वर्ष 2011 में उक्त परीक्षा माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा करायी गयी थी। अग्रेतर शासनादेश संख्या 1742/15–11–2014–2750/2012, दिनांक 24.12.2014 के द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) के संचालन/आयोजन का दायित्व सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0, इलाहाबाद को दिया गया। परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 इलाहाबाद द्वारा अब तक वर्ष 2011, 2013, 2014 2015 एवं 2016 में 'शिक्षक पात्रता परीक्षा–उत्तर प्रदेश' का आयोजन किया गया है।

उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा 2011, 2013, 2014, 2015 एवं 2016 परीक्षाफल

परीक्षा वर्ष	प्राथमिक स्तर			उच्च प्राथमिक स्तर		
	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %
2011	596733	299420	50.18	524577	273079	52.05
2013	110352	27882	25.27	612214	74873	12.23
2014	161747	65357	40.40	617060	123369	19.99
2015	237620	59062	24.85	622437	87353	14.03
2016	221654	25226	11.38	454616	50138	11.03

सेवापूर्व प्रशिक्षण

क्र0सं0	प्रशिक्षण कार्यक्रम	अवधि	प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्था	प्रवेश क्षमता
1.	बी0टी0सी0 (बेसिक टीचर सर्टिफिकेट)	2 वर्ष	• 64 जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान • सी0टी0ई0 वाराणसी • एन0सी0टी0ई0 से मान्यता के उपरान्त प्रदेश शासन से संबद्धता प्राप्त निजी बी0टी0सी0 संस्थान	10600 50 182600
2.	सी0टी0 (नर्सरी) (सर्टिफिकेट इन टीचिंग) (नर्सरी)	2 वर्ष	राजकीय नर्सरी प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद राजकीय नर्सरी प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा	34 30
3.	डी0पी0एड0 (डिप्लोमा इन फिजिकल एजूकेशन)	2 वर्ष	• राजकीय महिला शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद • राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रामपुर • क्रिशियन कालेज ऑफ फिजीकल एजूकेशन, लखनऊ • श्री गांधी मेमोरियल फिजीकल ट्रेनिंग कालेज, जौनपुर	25 50 25 25
4.	डी0जी0पी0 (डिप्लोमा इन गाइडेन्स एण्ड साइकोलॉजी)	9 माह	मनोविज्ञानशाला, उ0प्र0, इलाहाबाद	15
5	नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (एन0टी0टी0)	2 वर्ष	एन0सी0टी0ई0 से मान्यता के उपरान्त प्रदेश शासन से संबद्धता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान	100

- ## बेसिक टीचर सर्टिफिकेट(बी0टी0सी) प्रशिक्षण

बेसिक टीचर सर्टिफिकेट (बी0टी0सी0) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, शासकीय संस्थानों तथा एन0सी0टी0ई0 से मान्यता के उपरान्त प्रदेश शासन से सम्बद्धता प्राप्त निजी शिक्षण संस्थानों में संचालित किया जाता है। यह पाठ्यक्रम दो वर्षीय है जिसे चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, शासकीय संस्थानों तथा निजी शिक्षण संस्थानों को एन0सी0टी0ई0 द्वारा सीटों की मान्यता प्रदान की जाती है।

वर्तमान में प्रदेश के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में बी0टी0सी0 हेतु 10600 सीटों तथा निजी संस्थानों में 182600 सीटों की मान्यता प्राप्त है। निजी संस्थानों को बी0टी0सी0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालन हेतु सम्बद्धता संबंधित शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार प्रदान की जाती है। वर्तमान में एन0सी0टी0ई0 से मान्यता के उपरान्त **कुल 2613** निजी संस्थानों को राज्य सरकार द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गयी है।

बी0टी0सी0 प्रशिक्षण में चयन हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक है। चयन हेतु आवेदन पत्र ऑन लाइन प्राप्त किये जाते हैं। चयन मेरिट के आधार पर जनपद स्तर पर किया जाता है। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बन्धित प्रशिक्षण संस्थान में दो वर्ष का बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसमें सैद्धान्तिक प्रशिक्षण के साथ–साथ इन्टर्नशिप सम्मिलित होती है। इन्टर्नशिप अवधि में प्रशिक्षुओं को प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भेजा जाता है, जहाँ उनके द्वारा विद्यालय अवलोकन, पाठयोजना के अनुसार कक्षा शिक्षण तथा सैद्धान्तिक प्रशिक्षण में बतायी गयी शिक्षण विधियों एवं सिद्धान्तों का कक्षा–कक्ष में प्रयोग किया जाता है तथा विद्यालय से जुड़े विविध कार्य सीखे जाते हैं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षुओं को शैक्षिक अनुसमर्थन तथा निर्देशन दिया जाता है।

बी0टी0सी0 प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश की इकाई राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा तैयार किया जाता है, जिसे उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के अनुमोदनोपरान्त लागू किया जाना है। प्रत्येक सेमेस्टर के उपरान्त बी0टी0सी0 प्रशिक्षुओं की वाह्य परीक्षा, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा करायी जाती है। आन्तरिक परीक्षा संस्थान स्तर पर संपादित होती है। वर्तमान में 2015 का प्रशिक्षण गतिमान है।

- **सी0टी0 (नर्सरी) प्रशिक्षण [सार्टिफिकेट इन टीचिंग (नर्सरी)]**

यह दो वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा तथा इलाहाबाद में संचालित किया जाता है। इस प्रशिक्षण हेतु एन0सी0टी0ई0 द्वारा सीटें निर्धारित हैं। सी0टी0 (नर्सरी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आवेदन हेतु उ0प्र0 के ऐसे अभ्यर्थी आवेदन करने की पात्र होते हैं, जिन्होंने आवेदन पत्र भरने के पूर्व विधि द्वारा स्थापित एवं यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित/भूतपूर्व सैनिक (स्वयं) के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में 05 प्रतिशत की छूट होती है। पात्रता की अन्य शर्ते यथा आयु, आरक्षण, चयन का मानक, शुल्क, चयन प्रक्रिया आदि पर शासन द्वारा निर्धारित हैं।प्रशिक्षण में चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किये जाते है। चयन मेरिट के आधार पर सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी,उ0प्र0 इलाहाबाद की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है। वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया गतिमान है।

- **नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग (एन0टी0टी0)**

नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग दो वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है। यह प्रशिक्षण एन0सी0टी0ई0 से मान्यता के उपरान्त प्रदेश शासन से सम्बद्धता प्राप्त निजी शिक्षण संस्थानों में संचालित किया जाता है। इस प्रशिक्षण में आवेदन हेतु उ0प्र0 के ऐसे अभ्यर्थी आवेदन करने की पात्र होते है जिन्होनें आवेदन पत्र भरने के पूर्व विधि द्वारा स्थापित एवं यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित/भूतपूर्व सैनिक (स्वयं) के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में 05 प्रतिशत की छूट होती है। पात्रता की अन्य शर्ते यथा आयु, आरक्षण, चयन का मानक, शुल्क, चयन प्रक्रिया आदि पर शासन द्वारा निर्धारित हैं। प्रशिक्षण में चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किये जाते है। चयन मेरिट के आधार पर सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 इलाहाबाद की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है।

- **डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन (डी0पी0एड0)**

यह दो वर्षीय शारीरिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है, राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रामपुर तथा इलाहाबाद के साथ–साथ क्रिश्चियन कॉलेज ऑफ फिजीकल एजूकेशन, लखनऊ (अल्पसंख्यक संस्थान) व श्री गांधी मेमोरियल फिजीकल ट्रेनिंग कॉलेज, जौनपुर (शासकीय सहायता प्राप्त) में संचालित होता है।इस प्रशिक्षण हेतु एन0सी0टी0ई0 द्वारा सीटें निर्धारित हैं। प्रशिक्षण में चयन हेतु आवेदन पत्र ऑन लाइन प्राप्त किये जाते हैं। प्रशिक्षण में आवेदन हेतु उत्तर प्रदेश के ऐसे अभ्यर्थी आवेदन करने की पात्र होते हैं, जिन्होनें आवेदन पत्र भरने के पूर्व विधि द्वारा स्थापित एवं यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/अन्य आरक्षित श्रेणियों के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में 05 प्रतिशत की छूट होती है। पात्रता की अन्य शर्ते यथा आयु, आरक्षण, चयन का मानक, शुल्क, चयन प्रक्रिया आदि शासन द्वारा निर्धारित हैं। चयन राज्य स्तर पर मेरिट तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा के आधार पर होता है। वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया गतिमान है।

- **डिप्लोमा इन गाइडेन्स एण्ड साइकोलॉजी (DGP)**

यह पाठ्यक्रम मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा संचालित किया जाता है। यह कोर्स 9 माह का है एवं इसमें 15 सीटें निर्धारित हैं। शिक्षा शास्त्र, मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर एवं एम0एड0 में न्यूनतम द्वितीय श्रेणी उपाधिधारी इस कोर्स में आवेदन हेतु पात्र होते हैं। चयन मेरिट के आधार पर चयनसमिति द्वारा किया जाता है। प्रशिक्षणार्थियों को व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पक्षों, निर्देशन तथा अधिगम प्रक्रिया के सन्दर्भों से परिचित कराया जाता है।

- **प्रशिक्षु शिक्षकों का प्रशिक्षण**

प्रशिक्षु शिक्षक चयन 2011 के अन्तर्गत शासनादेश संख्या–3116/79–5–14(10)/2010 दिनांक 27.09.2011 एवं शासनादेश संख्या–3465/79–5–2014–14(10)/2010 टी0सी0 दिनांक 27.06.2014 एवं समय–समय पर निर्गत शासनादेशों के प्रावधानों के अनुसार प्रशिक्षु शिक्षकों के 72,825 पदों के सापेक्ष चयनित प्रशिक्षु शिक्षकों को 3 माह का क्रियात्मक एवं 3 माह का सैद्धांतिक, कुल 6 माह का प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा ब्लॉक संसाधन केन्द्रों पर कराया जा रहा है। अद्यतन 64,899 प्रशिक्षु शिक्षक नियुक्त किये जा चुके हैं।

सेवारत शिक्षक–प्रशिक्षण

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा केन्द्र पुरोनिधानित शिक्षक शिक्षा योजना एवं सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत अनुदानित बजट से प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता उन्नयन हेतु नवीन अवधारणाओं तथा आवश्यकताओं को चिन्हांकित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कराये जाते हैं। वर्ष 2016–17 में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, समावेशी शिक्षा, आरंभिक गणित, योग, कला/क्राफ्ट/संगीत/पपेट्री तथा विद्यालय नेतृत्व क्षमता संबंधी सेवारत प्रशिक्षण कराये गये। प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु सर्वप्रथम राज्य स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित कर मॉड्यूल का विकास किया गया। मॉड्यूल विकास में विशेषज्ञों के साथ साथ शिक्षकों को भी सम्मिलित किया गया जिससे मॉड्यूल को व्यवहारिक बनाया जा सके। विकसित मॉड्यूल का क्षेत्र परीक्षण कराकर उसे अन्तिम रूप दिया गया। परिषद द्वारा विकसित मॉड्यूल स्वतः स्पष्ट, मैत्रीपूर्ण प्रयोगिता तथा नवीन शिक्षण विधाओं से आच्छदित है। यह शिक्षकों के ज्ञान को अद्यतन एवं विस्तारित करने के साथ साथ उन्हें प्रयोग एवं अनुभव के अवसर प्रदान करते है। मॉड्यूल के आधार पर प्रशिक्षण संचालित करने हेतु राज्य स्तर पर जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा अपने जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में ब्लाक स्तरीय संदर्भदाताओं को प्रशिक्षित किया गया, जिनके द्वारा अग्रेतर शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा स्वयं भी एक विद्यालय का चयन कर मॉड्यूल के आधार पर गतिविधियां करायी जाती है। जनपदों द्वारा कराये गये प्रशिक्षणों को सोशल मीडिया पर साझा किया जाता है।

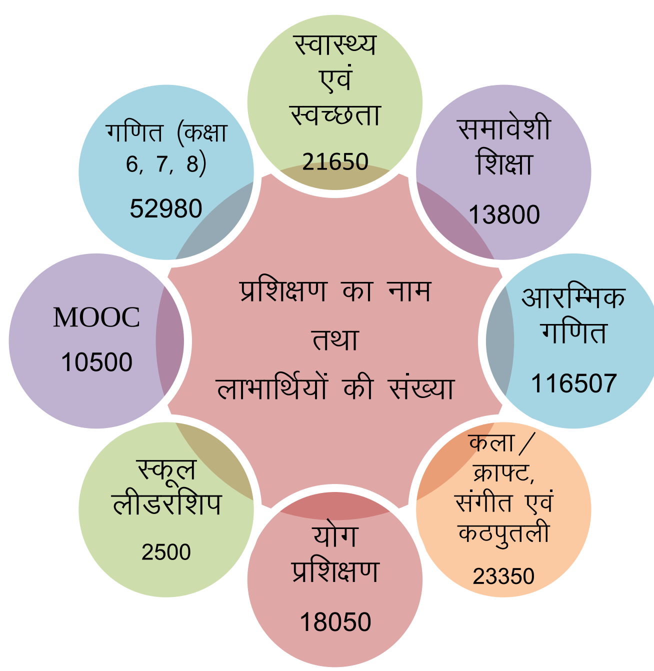

प्रशिक्षण कार्यक्रम

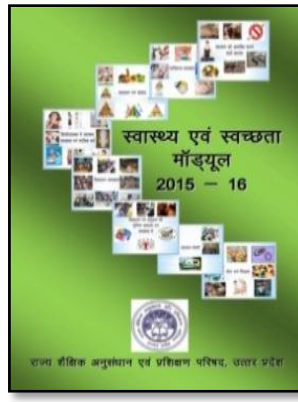

- **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण–** स्वच्छ विद्यालय एवं स्वस्थ वातावरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के दृष्टिगत एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा 'स्वास्थ्य एवं स्वच्छता' विषयक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार कराया गया। वर्ष 2016–17 में उक्त मॉड्यूल का पुनरावलोकन कर कतिपय संशोधन किये गये। इस मॉड्यूल में उन सभी मुद्दों को छूने का प्रयास किया गया है जो बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित है। शिक्षक का ध्यान उन छोटी–छोटी बातों की ओर आकृष्ट करने का प्रयास किया गया है जिनके द्वारा बच्चों में स्वस्थ आदतों का विकास करके उनको स्वस्थ तथा स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। साथ ही इस बात पर भी समझ विकसित की गयी है कि सस्ते और सुलभ भोज्य पदार्थों से शरीर की आवश्यकतानुसार पोषण प्राप्त किया जा सकता है। क्या खायें, क्या न खाये, क्या करें क्या न करें, इस बात पर चर्चा की गयी है। स्वास्थ्य से संबंधित मिथ्या/भ्रामक सिद्धांतों एवं नियमों को भी तोड़ने का प्रयास किया गया। पर्यावरण प्रदूषण, जो वर्तमान में स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला सबसे प्रमुख कारक है, के प्रति भी बच्चों को सजग बनाने का प्रयास किया गया है। ऐसे जनपद, जिनके शिक्षकों ने गतवर्ष प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया था, में इस वर्ष यह प्रशिक्षण कराया गया।

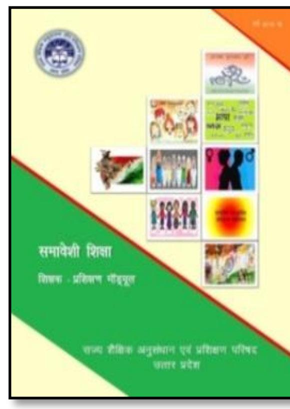

- **समावेशी शिक्षा मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण–** शिक्षक शिक्षा के अन्तर्गत समावेशी शिक्षा आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया। इस प्रशिक्षण मॉड्यूल का उद्देश्य विभिन्न शैक्षिक, आर्थिक, व्यवसायिक, सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को सीखने के समान अवसर प्रदान करने हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है। राज्य स्तर पर समस्त जनपदों से 128 प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा समावेशी शिक्षा पर कार्य करने हेतु विद्यालयों का चयन किया गया। परिषद द्वारा समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में किये गये कार्यों, अनुभवों को साझा करने हेतु सोशल मीडिया पर एक ग्रुप बनाया गया है। वर्ष 2016–17 में उक्त मॉड्यूल का पुनरावलोकन कर कतिपय संशोधन किये गये। ऐसे जनपद, जिनके शिक्षकों ने गतवर्ष प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया था, में इस वर्ष यह प्रशिक्षण कराया गया।

- **कला/क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत प्रशिक्षण मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण–** कला/क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत के माध्यम से विभिन्न विषयों के शिक्षण को रुचिपूर्ण एवं आनन्ददायी बनाने के उद्देश्य से 'कला/क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत प्रशिक्षण मॉड्यूल' का विकास किया गया तथा उसके आधार पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कराया गया। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनपद स्तर पर उक्त प्रशिक्षण संचालित किया गया। इस प्रशिक्षण द्वारा विभिन्न विषयों को आर्ट एण्ड क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीतसे जोड़ते हुए कक्षा–शिक्षण को रोचक व जीवंत बनाने का प्रयास किया गया है।

- **योग मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण** – प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के संज्ञानात्मक विकास के साथ–साथ उनमें शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से योग मॉड्यूल का विकास किया गया। इसके अंतर्गत सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, ध्यान को केन्द्र में रखते हुए ऐसी गतिविधियों तथा क्रियाकलापों का समावेश किया गया है, जो विभिन्न विषयों को पढ़ाते समय कक्षा में रूचिपूर्ण वातावरण के सृजन के साथ ही पाठ्यवस्तु को बोधगम्य बनाने में सहायक हो। विज्ञान, गणित, भाषा, कला, संगीत एवं सामाजिक विषयों को पढ़ाते समय योग और सूक्ष्म व्यायाम को शामिल करके अवधारणाओं को सरलता से स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। योग के द्वारा विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि के साथ ही उनके आत्म–विश्वास व एकाग्रता में भी अभिवृद्धि होगी तथा बच्चे स्वयं करके सीखने के लिये प्रेरित होंगे। इस मॉड्यूल के आधार पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कराया गया। तदोपरान्त राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनपद स्तर पर उक्त प्रशिक्षण संचालित किया गया।

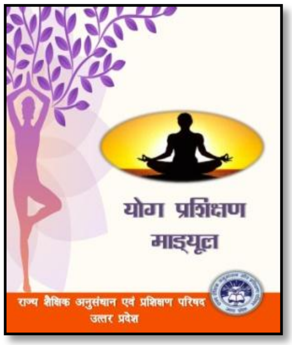

- **आरंभिक गणित मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण** – वर्ष 2015–16 में सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत आरम्भिक गणित आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 01 एवं 02 में गणित शिक्षण करने वाले शिक्षको में बच्चों के स्तर के अनुसार सरल तथा परिवेश से जुड़ी गतिविधियों के प्रयोग से गणित की अवधारणाओं की सही समझ विकसित करना है। यह मॉड्यूल गणित की समझ हेतु ELPS (experience, language, picture, symbol)के क्रम में बच्चों को अनुभव देने की बात करता है। एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा माह जून–जुलाई 2016 में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कुल चार फेरों में एस0सी0ई0आर0टी0, लखनऊ तथा राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद में कराया गया तथा कुल 272 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आरम्भिक गणित पर कार्य करने हेतु विद्यालयों का चयन किया गया। परिषद कार्यालय द्वारा आरम्भिक गणित के क्षेत्र में किये गये कार्यों, अनुभवों तथा अच्छी विधियों को साझा करने हेतु सोशल वेबसाइट पर एक ग्रुप बनाया गया है। जनपद स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण तथा ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया गया।

- **उच्च प्राथमिक गणित प्रशिक्षण मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण** – उच्च प्राथमिक विद्यालयों में गणित शिक्षण को रुचिपूर्ण एवं प्रभावी बनाने हेतु गणित प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया। मॉड्यूल का उददेश्य गणित–शिक्षण को बच्चों के जीवन अनुभव से जोड़ने तथा सिखाने के दौरान विभिन्न गतिविधियों के समावेश के माध्यम से गणित शिक्षण को रुचिपूर्ण बनाने का प्रयास किया गया है। उक्त मॉड्यूल के आधार पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कराया गया।

- ## सामाजिक विज्ञान प्रशिक्षण मॉड्यूल–

  सामाजिक विषय के शिक्षण से बच्चों को समसामयिक मुद्दों व समस्याओं से परिचित कराते हुए

  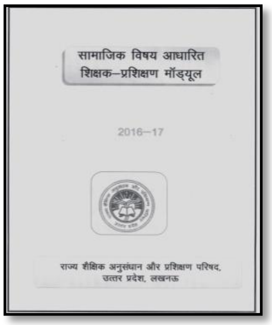

  उनका समाधान करने हेतु सक्षम बनाने एवं स्थानीय समुदाय को उनके अधिकारों, कर्तव्यों व पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हुए सतत् विकास (sustainable development) हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों हेतु सामाजिक विज्ञान विषय के प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया है। यह मॉड्यूल स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए विद्यार्थियों में नवीन सकारात्मक आयामों व सरोकारों को समाहित करने में सफल होगा।

- ## मूल्यबोध एवं नैतिकता मॉड्यूल –

  राज्य हिन्दी संस्थान, वाराणसी द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर की संस्कृत एवं हिन्दी की पाठ्यपुस्तकों के आधार पर मूल्यबोध एवं नैतिकता सम्बन्धी मॉड्यूल को विकसित किया गया। इस मॉडयूल का उद्देश्य बच्चों में संस्कारों के द्वारा मूल्यों का बोध कराया जाये जिससे वे नैतिकता को व्यवहार में ला सके। आगामी सत्र में इस मॉड्यूल के आधार पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण, जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षण कराया जायेगा।

- ## Module for developing communicative skills at upper primary level-

  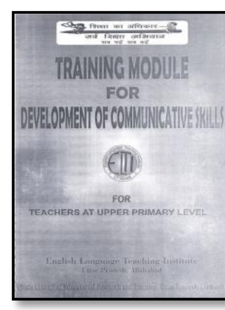

  आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा इस मॉड्यूल का विकास किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं बच्चों में अंग्रजी भाषा में संवाद करने की योग्यता विकसित करना है। आगामी सत्र में इस मॉड्यूल के आधार पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण, जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के शिक्षकों को प्रशिक्षण कराया जायेगा।

- **प्रश्नपत्र विकास–** प्रदेश में प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों में पठन–पाठन एवं अधिगम स्तर के मूल्यांकन के प्रति गंभीरता के दृष्टिगत सतत एवं व्यापक मूल्यांकन पर बल दिया गया है। इसके अंतर्गत दो सत्री परीक्षाओं के साथ–साथ अर्ध वार्षिक तथा वार्षिक परीक्षाओं का प्राविधान है। इन परीक्षाओं हेतु प्रश्न पत्र का निर्माण जिला स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कराया जाता है।

पाठ्यक्रम, पाठ्य पुस्तक एवं पाठ्य सामग्री विकास

- **पाठ्यक्रम विकास/संशोधन/परिवर्धन**

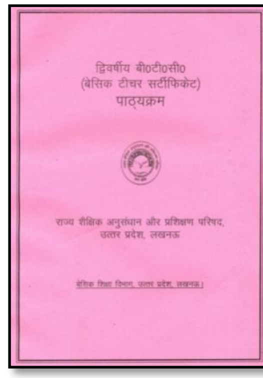

उत्तर प्रदेश में दो वर्षीय सेवापूर्व बी0टी0सी0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को वर्ष 2006 में संशोधित किया गया था। एन0सी0टी0ई0 के मानकों एन0सी0एफ0–2005, आर0टी0ई0–2009 एवं एन0सी0एफ0टी0ई0–2009 के परिप्रेक्ष्य में बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम को समयानुकूल, उपयोगी, व्यवहारिक व प्रासंगिक बनाने हेतु वर्ष 2013–14 में पाठ्यक्रम की समीक्षा की गयी। समावेशी शिक्षा, सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी तथा ई–लार्निंग, शोध व नवाचार, रचनावाद, विभिन्न विषयों के अंतर्सम्बन्ध, भाषा एवं विभिन्न विषयों के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान को सम्मिलित करते हुए बी0टी0सी0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पुनरीक्षित किया गया। सेवापूर्व प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण बिन्दु ''इर्ण्टनशिप'' है। बी0टी0सी0 के नवीन पाठ्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर में एक माह की इर्ण्टनशिप का प्राविधान किया गया है जो प्रशिक्षुओं को सेमेस्टर विशेष में पढ़ाये जा रहे सैद्धांतिक विषयों तथा संप्रत्ययों के कक्षा–कक्ष में प्रयोग करने का अवसर प्रदान करती है। पाठ्यक्रम में इर्ण्टनशिप तथा सैद्धांतिक एवं विद्यालयी विषयों के साथ–साथ सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य, प्रशिक्षण के नियम, परीक्षा, पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों का भी विवरण दिया गया है। शिक्षा एवं शिक्षक–प्रशिक्षण से जुड़े संस्थानों, एन0सी0ई0आर0टी0 तथा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त कर बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम को अंतिम रूप प्रदान किया गया।

- **बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम के विषयों की पाठयवस्तु का विकास**

प्रदेश में बी0टी0सी0 प्रशिक्षुओं हेतु नव विकसित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर के विषयों, पाठयवस्तु का विकास एस0सी0ई0आर0टी0 की इकाई राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा किया गया। यह पाठ्यवस्तु परिषद की वेबसाइट (www.scertup.co.in) पर अपलोड है। संकाय सदस्यों तथा बी0टी0सी0 प्रशिक्षुओं द्वारा इस सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

- **क्षेत्रीय बोलियों में प्राइमर का विकास**

प्राथमिक स्तर पर सीखने में बच्चों के परिवेशीय अनुभवों व उनकी अपनी भाषा अत्यन्त महत्व रखती है। उत्तर प्रदेश में प्रमुख चार भौगोलिक–सामाजिक–भाषायी क्षेत्रों में मुख्यतः चार बोलियाँ – अवधी, ब्रज, भोजपुरी एवं बुन्देलखण्डी बोली जाती है। छात्र–छात्राओं के लिए घर में बोली जाने वाली इन

भाषाओं से मानक हिन्दी में transition एक चुनौती की तरह है, जिसका सामना अध्यापक और छात्र–छात्राओं दोनों को ही करना होता है। इस transition को सहज बनाने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में उपर्युक्त चारों बोलियों अवधी, ब्रज, भोजपुरी एवं बुन्देली में पठन सामग्री(प्राइमर) विकास का कार्य राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा किया जा रहा है। इस पठन सामग्री का उद्देश्य बच्चों को अपनी स्थानीय भाषा के माध्यम से मानक भाषा से जोड़ना है। इसके माध्यम से शिक्षकों व बच्चों का अपनी लोकभाषा के प्रति रुझान बढ़ेगा तथा उनकी लिखित व मौखिक अभिव्यक्ति क्षमता का कुशलतापूर्वक सम्वर्द्धन किया जा सकेगा।

विकसित प्राइमर के आधार पर सभी भाषाओं/बोलियों में सम्बन्धित जनपदों के प्राथमिक शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया जाएगा जिससे शिक्षक उक्त सामग्री को समझकर सरल व सहज तरीके से बच्चों के साथ उसे साझा कर सकें। प्रशिक्षण के उपरान्त सभी चारों बोलियों में तैयार प्राइमर के आधार पर प्राथमिक स्तरीय छात्र–छात्राओं के साथ विद्यालयों में कक्षा शिक्षण के माध्यम से इसे साझा किया जाएगा।

- **निष्पादन संकेतकों(Performance Indicators) का विकास**

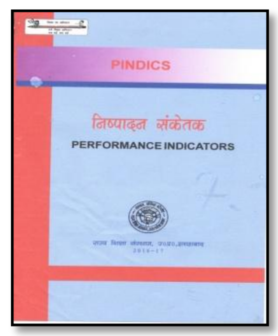

शिक्षा अपने गुणवत्तापूर्ण होने के लक्ष्य को प्राप्त करे, इसके दृष्टिगत शिक्षकों को उनके कार्यों के निष्पादन में मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करने की दृष्टि से राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद, द्वारा शिक्षकों हेतु PINDICS (Performance Indicators) का विकास किया गया है। इनका प्रयोग शिक्षक शिक्षकों के कार्य निष्पादन और प्रगति के आकलन के लिए किया जायेगा। साथ ही ये शिक्षकों को स्वयं भी अपनी प्रगति का आकलन करने तथा वांछित स्तर तक सुधार के अवसर प्रदान करेगें। संकेतकों के अंतर्गत बच्चों के लिए अधिगम अनुभवों की रूपरेखा का निर्माण करना, विषयवस्तु का ज्ञान एवं समझ, अधिगम को सुगम बनाने हेतु रणनीतियां, पारस्परिक संबंध, व्यावसायिक विकास, विद्यालय विकास, शिक्षक उपस्थिति आदि क्षेत्रों को रखा गया है।

- **लर्निंग इन्डिकेटर्स का विकास**

राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा लर्निंग इन्डिकेटर्स का विकास किया गया है। प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में लर्निंग इन्डिकेटर्स दिये गये हैं जिनके द्वारा शिक्षक तथा अभिभावक छात्र का और छात्र स्वयं अपना उपलब्धि स्तर देख सकते है। ये लर्निंग इन्डिकेटर्स शिक्षा की गुणवत्ता संवर्द्धन में सहायक होगें।

- ## पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा व विकास

सर्व शिक्षा अभियान की सत्र 2016–17 की कार्ययोजनानुसार राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद, द्वारा कक्षा–1, 2 व 3 की हिन्दी, गणित अंग्रेजी, संस्कृत व पर्यावरण अध्ययन विषय की पाठयपुस्तकों की समीक्षा व विकास कार्य किया गया। पाठ्पुस्तकों में लैंगिक समानता, समावेशन, संवैधानिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण, समानता आदि को ध्यान में रखते हुए विषय वस्तु रखी गयी है। इसप्रकार की गतिविधियां छात्रों के लिये रखी गयी है जो उन्हें सोचने, समझने तथा स्वयं करके सीखने का अवसर प्रदान करेगी। कक्षा 1 से 3 की अंग्रेजी माध्यम की पाठ्पुस्तकों में भी संशोधन एवं परिमार्जन किया गया है। नवीन पाठ्पुस्तकें सत्र 2017–18 से प्रचलित होगी।

- ## विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन

राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा प्राथमिक स्तर के विद्यालयों हेतु त्रैमासिक पत्रिका **सप्तरंग** के प्रकाशन की कार्यवाही गतिमान है। उक्त पत्रिका प्रदेश के समस्त प्राथमिक विद्यालयों को उपलब्ध करायी जायेगी, जिसमें विद्यालय, विद्यार्थियों तथा शिक्षकों हेतु उपयोगी सामग्री समाहित की जायेगी।

- ## त्रैमासिक अधिगम (जर्नल) का सम्पादन व प्रकाशन

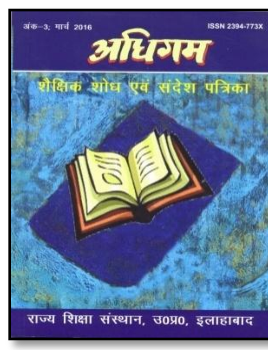

राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा शैक्षिक शोध एवं संदेश पत्रिका **"अधिगम"** का प्रकाशन किया जाता है। यह पत्रिका त्रैमासिक है। इस पत्रिका में शिक्षा से जुड़े शोध अध्ययन तथा लेख आदि प्रकाशित किये जाते है। संप्रति इसके चार अंश प्रकाशित किये जा चुके है।

- ## शिक्षक संदर्शिका का विकास

राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा प्राथमिक स्तर के शिक्षकों हेतु शिक्षक संदर्शिका तथा राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर के गणित एवं विज्ञान विषय के शिक्षकों हेतु शिक्षक संदर्शिकाओं का विकास किया गया है। शिक्षक संदर्शिका में शिक्षकों हेतु नवाचारी शिक्षण विधियों का उल्लेख किया गया है। शिक्षक संदर्शिकाओं में पाठ्यक्रम से भिन्न तथा कुछ उच्च स्तर की जानकारियों का समावेश किया गया है संदर्शिकाएं विषयवस्तु को समझने में छात्रों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराने तथा उनकी सृजनात्मक शक्ति के विकास में शिक्षकों को मार्गदर्शन देने के साथ–साथ शिक्षकों के शिक्षण गुणवत्ता संवर्द्धन एवं सबलीकरण में उपयोगी सिद्ध होंगी।

शोध एवं सर्वेक्षण

शोध– वर्ष 2015–16 में सम्पादित शोध कार्य –

1. Impact of female teachers on educational environment of primary schools
2. Effect of ICT enabled education on learning level of students in upper primary schools
3. Impact of OER in teacher's professional development
4. To study the impact of Early Grade Reading (EGR) training programme on teachers and students of primary schools
5. Effect of Meena Manch on alround development of girl students

वित्तीय वर्ष 2016–17 में चल रहे शोध कार्य–

1. Educational value of local sports.
2. Educational value of local cultural festivals.
3. Role of parents in development of skills and values in their wards.
4. Economy of election with respect of education.
5. Study of teachers training on learning outcome.

शिक्षक शिक्षा योजना अंतर्गत भारत सरकार की कार्य योजना के अनुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा गतिमान/किये गये शोध कार्य–

1. Assessment and Evaluation of trainee Teachers
2. Assessment Practice as an Energizer of Self-driven Professional Development
3. Awareness towards environment protection in schools
4. Communication capability of Textbooks
5. Do the Teachers Really Learn to Reflect from the Training
6. Effect of morning assembly on elementary education
7. Empowerment through Reflection, Facilitating Learning in Elementary level
8. How SMC are impacting learning of students in rural areas

9. Role of SMC towards improving quality of education
10. Reflective Feedback Using Video Recordings in Pre-Service Teaching Training Programme
11. Remote Teaching, Distance Learning, Team Teaching or Blended Learning
12. Role of BEOs in teacher support for Academic Excellence of schools
13. Scope of ICT enabled Education at elementary level
14. Scope of OER's in teacher's professional development
15. Sports, Games, functions and Activities for Language Learning
16. Implement New Methods through Videos of Effective Real Classroom Teaching
17. Teaching Maths through Cooperative Learning Strategy
18. Stress provoking factors in elementary education
19. Causes of decreasing enrollment in elementary government schools
20. Effect of examination question papers (class 5 & 8-Language and Mathematics) on learning achievement of child.
21. Effect of inclusive education training on teachers students and parents
22. Effect of co-curricular activities on learning of students
23. Impact of health and hygiene training on teachers and students in elementary schools
24. Practice of using teaching technique and methods in classroom transaction during internship of pre-service teacher trainee.
25. Use of Multimedia and Internet Resources for Pre-service Training
26. Use of workbook in elementary schools.

सर्वेक्षण

राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण

- राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण के माध्यम से राज्य में बच्चों के शैक्षिक स्वास्थ्य का परीक्षण किया जाता है जो यह चिन्हित करने में मदद करता है कि विद्यार्थी शैक्षिक चक्र के विशिष्ट चरणों में क्या जानते हैं और क्या कर सकते हैं। उपलब्धि सर्वेक्षण शिक्षा व्यवस्था की अवस्था को समझने तथा नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं तथा अध्यापकों को फीडबैक प्रदान करने में तथा विद्यार्थी के अधिगम स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा वर्ष 2013–14 से सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं के शैक्षिक अधिगम का आकलन करने के लिए राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण कराया जा रहा है।
- **प्रथम राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण – वर्ष 2013–14** में कक्षा 4 एवं कक्षा 7 के छात्रों का उपलब्धि सर्वेक्षण किया गया, जिसमें कक्षा 4 के छात्रों का 10 जनपदों में विषय–हिन्दी, गणित, अंग्रेजी एवं पर्यावरण अध्ययन विषय में तथा कक्षा 7 के छात्रों का हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक विज्ञान विषय में छात्रों की अधिगम उपलब्धि का आकलन किया गया था, सर्वेक्षण में जिसमें छात्रों का अधिगम निम्नवत् पाया गया–

विषय	कक्षा 4			कक्षा 7		
	N	AVG	SD	N	AVG	SD
हिन्दी	16893	47 %	21.8 %	17014	51 %	19.4 %
गणित	16893	40 %	22.3 %	17014	35 %	17.8 %
अंग्रेजी	17130	50 %	20.7 %	16937	42 %	19.3 %
विज्ञान	17130	42 %	20.8 %	16937	41 %	17.5 %
सामाजिक विषय	NA	NA	NA	16937	36 %	17.5 %

सर्वेक्षण में कक्षा–4 में हिन्दी विषय में औसत उपलब्धि स्तर 47 प्रतिशत, गणित में 40 प्रतिशत तथा पर्यावरणीय अध्ययन में 42 प्रतिशत पाया गया, जबकि अंग्रेजी विषय में यह 50 प्रतिशत था। कक्षा–7 में हिन्दी विषय में औसत उपलब्धि स्तर 51 प्रतिशत, अंग्रेजी विषय में 42 प्रतिशत तथा पर्यावरणीय अध्ययन में 41 प्रतिशत पाया गया, जबकि गणित एवं सामाजिक विज्ञान विषय में यह क्रमशः 35 तथा 36 प्रतिशत रहा।

- **द्वितीय राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण – वर्ष 2014–15** में 75 जिलों में कक्षा–5 एवं कक्षा–8 के विद्यार्थियों का हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित एवं सामाजिक अध्ययन विषयों में लर्निंग एचीवमेंट सर्वे कराया गया। परिषद द्वारा राज्य स्तर पर कई कार्यशालाओं के आयोजनोपरान्त सर्वे के टूल्स तैयार किये गये। प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अपने जनपद हेतु **राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण** के क्रियान्वयन के मुख्य व्यवस्थापक/जिला समन्वयक निर्धारित किये गये जिनके निर्देशन में फील्ड सर्वे कार्य प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में माह फरवरी 2015 में पूर्ण कराया गया। सर्वेक्षण में छात्रों का अधिगम निम्नवत् पाया गया–

विषय	कक्षा 5			कक्षा 8		
	Number	AVG	SD	Number	AVG	SD
हिन्दी	125847	55.70	8.54	125584	56.72	9.17
गणित	125622	53.05	8.40	126297	58.94	9.45
अंग्रेजी	126063	52.65	7.75	126642	54.22	8.76
सामाजिक विषय	124739	50.31	8.48	125874	56.00	9.22
विज्ञान	125532	54.19	8.42	127221	57.21	8.73

सर्वेक्षण में कक्षा–5 में हिन्दी विषय में औसत उपलब्धि स्तर 55.70 प्रतिशत पाया गया, जबकि गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन तथा अंग्रेजी में 50.31 से 54.19 के बीच रहा। कक्षा–8 में सर्वाधिक औसत उपलब्धि स्तर 58.94 प्रतिशत गणित विषय में तथा न्यूनतम 54.22 प्रतिशत अंग्रेजी विषय में पाया गया। अन्य विषयों क्रमशः हिन्दी, सामाजिक अध्ययन तथा विज्ञान में यह 54.22 से 56.72 प्रतिशत के मध्य रहा।

- **तृतीय राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण – वर्ष 2016–17** सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत 75 जिलों में कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्र–छात्राओं के अधिगम स्तर का आकलन कार्य राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा किया जा रहा है। छात्र–छात्राओं के अधिगम परीक्षण हेतु कक्षा 1 के तीन विषय (हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित), कक्षा–2 के तीन विषय (हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित), कक्षा 3 के चार विषय (हिन्दी, अंग्रेजी, गणित एवं ई0वी0एस0), कक्षा 4 से कक्षा 8 तक प्रत्येक कक्षा के पाँच विषय (हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विषय), में छात्रों का उपलब्धि सर्वेक्षण परिषद कार्यालय द्वारा कराया जा रहा है। प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में कक्षा 1 से कक्षा 5 हेतु फील्ड सर्वे कार्य दिनांक 29 नवम्बर, 2016 से 01 दिसम्बर, 2016 की अवधि में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा कराया गया। कक्षा 6 से कक्षा 8 हेतु फील्ड सर्वे कार्य दिनांक 07 दिसम्बर, 2016 से 09 दिसम्बर, 2016 की अवधि में कराया गया। वर्तमान में फील्ड सर्वे कार्य के उपरान्त 75 जनपदों से भरे हुये टूल्स की डाटा इंट्री कराये जाने हेतु परिषद स्तर पर कार्यवाही गतिमान है।

नई पहल

- वर्ष 2014–15 में प्रदेश के प्रत्येक जनपद के दो–दो प्राथमिक विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम से संचालन हेतु चयनित किया गया। अंग्रजी माध्यम विद्यालयों के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों हेतु बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यपुस्तकों, कार्यपुस्तिकाओं का अंग्रेजी अनुवाद आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा किया गया है। इसके साथ ही इन विद्यालयों हेतु चयनित शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास भी आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। मॉड्यूल के आधार पर शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया गया। वर्ष 2015–16 से चिन्हित अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण कार्य प्रारंभ हो गया है। वर्ष 2017–18 में अंग्रजी माध्यम विद्यालयों की प्रभावशीलता का अध्ययन कराया जायेगा।

- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को आई0सी0टी0 आधारित कक्षा–शिक्षण प्रक्रिया से परिचित कराने तथा उसके माध्यम से छात्र–छात्राओं के अधिगम स्तर में वृद्धि हेतु बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम एवं प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम पर आधारित विभिन्न विषयों के ऑडियो–वीडियो पाठ जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान स्तर पर तैयार कराये जा रहे हैं। तैयार किये गये ऑडियो–वीडियो को सभी शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों के साथ साझा किया जाता है।

- **E-books का विकास–** राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद, द्वारा प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तरीय पाठ्यपुस्तकों को E-Books के रूप में तैयार किया गया है। ये E-Books को एस0सी0ई0आर0टी0 की वेबसाइट पर अपलोड की गयी है। e-books हेतु एक एप तैयार किया गया है जो E-Pothy के नाम से है। इसे मोबाइल पर डाउनलोड कर इन किताबों को पढ़ा जा सकता है।

- बी0टी0सी0 प्रशिक्षण में इण्टर्नशिप को और अधिक प्रभावी बनाने तथा प्रशिक्षुओं की प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों से निरंतर संलग्नकता बनाये रखने के उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर पहली बार इण्टर्नशिप मैनुअल का विकास किया जा रहा है। मैनुअल में प्राचार्य डायट, शिक्षा अधिकारियों तथा प्रधानाध्यापकों के दायित्वों के साथ साथ प्रशिक्षुओं हेतु ऐसी गतिविधियों को भी सम्मिलित किया गया है जो प्रशिक्षु को विद्यालय व्यवस्था तथा शिक्षण के सार्थक अनुभव प्रदान कर सके। यह मैनुअल इर्ण्टनशिप को नई दिशा प्रदान करने में सहायक होगा। मैनुअल के विकास में डायट प्राचार्यों के साथ–साथ निजी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी सम्मिलित किया गया है।

- प्रदेश में पहली बार शिक्षक–प्रशिक्षकों हेतु निष्पादन संकेतकों (Performance Indicators) का विकास किया गया। ये शिक्षक–प्रशिक्षकों को अपने स्व–मूल्यांकन का अवसर प्रदान करेंगे तथा उनके शिक्षण कौशल में सुधार करने तथा Professional Develoment में सहायक होगें। निष्पादन संकेतकों के विकास में विशेषज्ञों के साथ–साथ डायट प्राचार्यों एवं निजी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी सम्मिलित किया गया है। शिक्षक प्रशिक्षुकों हेतु विकसित निष्पादन संकेतकों में मुख्य रूप से शैक्षिक दस्तावेजों/नीतियों/कार्यक्रमों की जानकारी, शिक्षण योजना का निर्माण, कक्षा प्रबंधन, कक्षा शिक्षण प्रक्रिया, मूल्यांकन, प्रतिपुष्टि, उपचारात्मक अभ्यास, व्यावसायिक विकास एवं संप्रेषण कौशल को सम्मिलित किया गया है।

- उत्तर प्रदेश निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 के भाग–7 में धारा–29 के आलोक में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा पाठ्यचर्या और मूल्यांकन को निर्धारित करने के अन्तर्गत सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन को व्यवहार में लाने हेतु दिशा–निर्देश तैयार किये गये हैं, जिसके आधार पर राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा जनपदों को सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन हेतु निर्देश एवं प्रपत्र उपलब्ध कराये गये हैं।

- निजी बी0टी0सी0 संस्थानों, में द्विवर्षीय बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में निजी बी0टी0सी0 प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। निजी संस्थानों में गुणवत्ता हेतु कतिपय मानको का होना अनिवार्य है। इस परिप्रेक्ष्य में एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा यूनीसेफ के सहयोग निजी बी0टी0सी0

संस्थानों की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति का आकलन (Need Assessment Survey) किया गया। आकलन में यह पाया गया कि निजी संस्थानों में भौतिक तथा मानवीय संसाधन की उपलब्धता, प्रबंधन, शिक्षक–प्रशिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन, प्रशिक्षुओं की उपस्थिति तथा शिक्षण कार्य में रूचि, योजनाबद्ध शिक्षण तथा सामूहिक गतिविधियों के प्रयोग की स्थिति आपेक्षित स्तर की नहीं है। इस Need Assessment Survey के परिणामों को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा निजी संस्थानों के साथ साझा किया गया। अग्रेतर निजी बी0टी0सी0 प्रशिक्षण संस्थानों हेतु Non-Negotiable Standards का विकास किया गया है। मुख्य रूप से भौतिक व मानवीय संसाधन एवं प्रबंधन, शिक्षकों की क्षमता

संवर्द्धन, कक्षा शिक्षण, प्रशिक्षुओं के क्षमता संवर्द्धन हेतु मानक रखे गये है। इन मानकों के विकास में निजी संस्थानों के प्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया गया है।

- न्यूपा द्वारा वर्ष 2016 में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद को लीडरशिप एकेडमी बनाया गया हैं। न्यूपा–एन0सी0एस0एल0 के कार्यकलाप और गतिविधियां आवश्यकता आधरित हैं और इनको State Leadership Academy के रूप में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा जनपद स्तर एवं राज्य स्तर के सभी हितधारकों की सहभागिता के माध्यम से किये जाने की योजना है। इसके लिए न्यूपा द्वारा राज्य संदर्भ समूह बनाया गया है। आगामी सत्र से परिषद द्वारा विद्यालय के रूपांतरण के लिए नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार करने के विज़न के साथ प्राथमिक, उच्च्य प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता को इस प्रकार से समृद्ध बनाया जायेगा कि विद्यालयों में गुणात्मक शिक्षा के साथ–साथ विद्यालय स्तर पर संस्थानिक विकास हो सके।

- बी0टी0सी0 प्रशिक्षण में प्रशिक्षु के शिक्षण कौशल के मूल्यांकन का एक प्रमुख आधार सेमेस्टर परीक्षा भी है। इसके द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के परिणामों के साथ–साथ प्रशिक्षु के उपलब्धि स्तर का

मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रमुख आधारों में से 'प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता' भी एक आधार है। अतः सेवापूर्व बी0टी0सी0 प्रशिक्षण की सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु एक हैण्डबुक का विकास किया जा रहा है। हैण्डबुक में प्रश्नपत्र निर्माताओं हेतु दिशा–निर्देश, प्रश्न

पत्र के ब्ल्यू प्रिंट, ज्ञानात्मक, बोधात्मक, कौशलात्मक तथा अनुप्रयोगात्मक प्रश्नों के उदाहरण रखे जायेंगे, जिससे स्तरीय प्रश्नपत्रों का निर्माण और प्रशिक्षुओं के शिक्षण कौशल एवं ज्ञान का समग्र मूल्यांकन हो सकेगा।

- **प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC)–**एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तर प्रदेश द्वारा इस वर्ष पहली बार शिक्षक/प्रशिक्षक के साथ मिलकर एक 'लर्निंग कम्यूनिटी' के नाम से समूह बनाया है। इसके संदर्भ में राज्य स्तर पर चिन्हित समूह सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित कर प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटी (PLC) की अवधारणा, उनके कार्यों व भूमिका पर समझ बनाने का कार्य किया गया है। इस प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC) में वह शिक्षक/प्रशिक्षक सदस्य के रूप में है, जो आरंभिक पठन कौशल/गणित कौशल/योगा/समावेशी शिक्षा विषयों पर राज्य स्तर या जिला स्तर पर प्रशिक्षित होकर अपने–अपने विद्यालयों में नये नवाचारों पर कार्य कर रहे हैं। इन सदस्यों को अपने–अपने विषयों से जुड़े अन्य साथियों को जोड़ते हुये एक समूह का निर्माण करना हैं तथा नियमित अन्तराल पर विषय से संदर्भित अपने अधिगम, नवाचारों, अनुभवों व चुनौतियों को एक–दूसरे के साथ साझा करना है।

- प्रदेश में पहली बार सेवारत प्रशिक्षण के अन्तर्गत 'Peer Coaching' प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन प्रशिक्षण कराया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत coach (प्रशिक्षक) अपने विद्यालय अथवा चयनित विद्यालय में वास्तविक कक्षा कक्ष में अपनी शिक्षण प्रक्रिया का प्रदर्शन कर एक बार में 5–6 शिक्षकों को प्रशिक्षित करता है। यह प्रशिक्षण अवलोकन, चर्चा, सहशिक्षण, सहयोगात्मक शिक्षण तथा शेयरिंग पर आधारित है।

विज्ञान प्रदर्शनी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के निर्देशन तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश लखनऊ के संरक्षकत्व में राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा प्रतिवर्ष प्रदेश में जनपद, मण्डल तथा राज्य तीन स्तरों पर राज्य बाल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। **44वीं जवाहर लाल नेहरू विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2016** का आयोजन जनपद, मण्डल तथा राज्य तीन स्तरों पर किया गया है। यह प्रदर्शनी जनपद, मण्डल स्तर पर राष्ट्र निर्माण के लिये विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं गणित विषय पर आयोजित की गयी।

भावी वैज्ञानिकों ने गढ़े कारगर मॉडल

तकनीकी दौर में हर दिन नई चुनौती

युवा

विज्ञान प्रदर्शनी जूनियर में बरेली अव्वल

प्रदर्शनी में पौधों को शिफ्ट करने वाला मॉडल अव्वल

आज से जुटेंगे प्रदेश भर के 600 बाल वैज्ञानिक

आई0सी0टी0 : प्रयास

- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा वर्ष 2016–17 में Tess-India OER पर आधारित Enhancing Teacher Education through OER (online course) के प्रशिक्षण कराया गया।
- जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, बरेली को INFUSING REFLECTIVE PRACTICES BY USING INFORMATION AND COMMUNICATION TECHNOLOGY AS CHANGE AGENT विषयक प्रोजेक्ट पर कार्य हेतु SKOCH AWARD GOLD प्रदान किया गया है।
- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को आई0सी0टी0 आधारित कक्षा–शिक्षण प्रक्रिया से परिचित कराने तथा उसके माध्यम से छात्र–छात्राओं के अधिगम स्तर में वृद्धि हेतु बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम एवं प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम पर आधारित विभिन्न विषयों के ऑडियो–वीडियो पाठ जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान स्तर पर तैयार कराये गये तथा यू–ट्यूब पर अपलोड किये गये हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में करायी जा रही गतिविधियों को शिक्षकों द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया जाता है।
- E-Pothy App द्वारा पाठ्यपुस्तकों को सर्व–सुलभ किया गया है।
- परिषद द्वारा डायट की ग्रेडिंग हेतु एक मोबाइल ऐप तैयार कराया जा रहा है जो जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के निरन्तर अनुश्रवण एवं गुणवत्ता संवर्धन में सहायक होगा। इस ऐप के माध्यम से अगामी सत्र से डायट्स की ऑनलाइन ग्रेडिंग की जायेगी।
- **Language and Learning Foundation** द्वारा प्रारम्भिक भाषा शिक्षण सर्टिफिकेट कोर्स ऑन–लाइन कराया जा रहा है। वर्ष 2015–16 में सात शिक्षकों द्वारा यह कोर्स पूर्ण किया गया। इस वर्ष अद्यतन 26 शिक्षकों द्वारा उक्त हेतु पंजीकरण कराया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा सिखने–सिखाने से संबंधित सैद्धांतिक समझ के साथ–साथ भाषा शिक्षण के दौरान उपयुक्त गतिविधियों का चयन करने की क्षमता का विकास करना है।

शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता उन्नयन हेतु राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में एक व्याख्यान माला का प्रारंभ **TE-Talks** के अंतर्गत 01 फरवरी 2017 से प्रारंभ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक शिक्षा तथा प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता के विकास हेतु इस क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रशिक्षुओं, अभिकर्मियों को नव प्रयोगों तथा नवीन अवधारणाओं से अवगत कराने तथा उन्हें अभिप्रेरित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस व्याख्यान श्रंखला में संवाद किया जाता है।

TE-Talks के मंच पर विभिन्न क्षेत्रों के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों तथा विशिष्ट जनों को आमंत्रित कर व्याख्यान आयोजित किये जाते है। इन व्याख्यानों को सुलभ बनाने हेतु राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की वेबसाइट (www.scertup.co.in) पर अपलोड/प्रदर्शित किया जायेगा।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के कार्यक्रम में हुआ पुस्तक का विमोचन

किताबें खूब पढ़ें...

जागरण संवाददाता, लखनऊ : शिक्षकों को चाहिए कि वह अधिक से अधिक किताबें पढ़ें और अपने विचार को लिपिबद्ध कर उसे एक अनूठी पुस्तक का रूप दें। यह विचार लंदन में रहने वाली उपन्यासकार रूचिता मिश्रा ने व्यक्त किए। वह सोमवार को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा आयोजित टीई टॉक में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता। अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानें और उसी के अनुसार अपने करियर को नई ऊंचाई दें। श्रेष्ठता कायम करने की हमेशा कोशिश करें। अपनी खोज आप किस तरह करें, इस पर उन्होंने शिक्षकों व प्रशिक्षु शिक्षकों को टिप्स दी। उन्होंने कहा कि आप आत्ममंथन करें और हमेशा सीखते रहने की आदत डाले रखें। कार्यक्रम में एससीईआरटी के निदेशक सर्वेन्द्र विक्रम सिंह ने रूचिता मिश्रा के उपन्यासों पर चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बेसिक शिक्षा विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर ललिता प्रदीप ने भी संबोधित किया।

विशेष कार्यक्रम :एक झलक

- ***NCSL (National Centre of School Leadership)***– नेशनल यूनीवर्सिटी आफ एजूकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन (न्यूपा), नई दिल्ली द्वारा प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व क्षमता विकास के लिए

तैयार किये गये प्रशिक्षण मॉड्यूल के आधार पर 25 जनपदों के 2500 प्रधानाध्यापकों को नेतृत्व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए SRG (State Resource Group) का प्रशिक्षण NCSL द्वारा राज्य स्तर पर परिषद मुख्यालय में कराया गया। राज्य स्तरीय सन्दर्भदाताओं द्वारा अपने जनपद के प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को उक्त प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- नेशनल यूनीवर्सिटी आफ एजूकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन (न्यूपा), नई दिल्ली के तत्वावधान में राज्य के शिक्षा अधिकारियों/शिक्षक–प्रशिक्षकों के क्षमता संवर्द्धन हेतु दो दिवसीय शैक्षिक "नियोजन एवं प्रबन्धन" विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया।

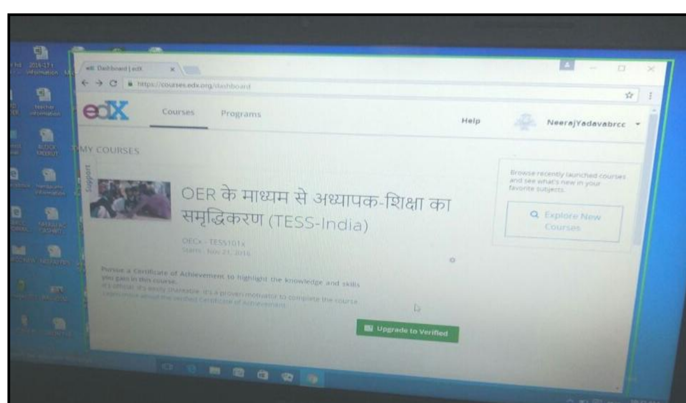

- एस0सी0ई0आर0टी0 एवं **TESS-India** द्वारा उत्तर प्रदेश में शिक्षक–शिक्षा को Open Education Resources (OER) के माध्यम से गुणवत्तपूर्ण बनाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए 125 मुक्त शैक्षिक संसाधन मॉड्यूल तैयार कराते हुए निःशुल्क Massive Open On Line

Course (MOOC) कराया जा रहा है। यह कोर्स OER के शिक्षण में प्रयोग पर आधारित है। वर्ष 2015–16 में 1464 शिक्षकों द्वारा उक्त ऑन–लाइन कोर्स पूर्ण किया गया था। वर्ष 2016–17 में लगभग 15000 शिक्षकों द्वारा उक्त ऑन–लाइन कोर्स हेतु पंजीकरण कराया गया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 4 Contact Classes आयोजित की गई, जिनमें शिक्षकों को MOOC (Massive Open Online Course) की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया एवं कोर्स से सम्बन्धित facilitation दिया गया। सफल प्रतिभागियों को ऑन लाइन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। **वर्ष 2016–17 में यह ऑनलाइन कोर्स हिन्दी माध्यम में कराया गया।**

- प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ और STiR (School and Teachers Innovating for Results) Education संस्था के संयुक्त प्रयास से **'राज्य व्यापी नवाचार खोज एवं संकलन'** कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऐसे नवाचारी एवं वचनबद्ध अध्यापकों की पहचान करना है, जो बच्चों की पढ़ाई में सुधार लाने हेतु शिक्षण कार्य के लिए महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में उत्साह के साथ काम करेंगें तथा राज्य में 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहिम' के निर्माण के लिए नींव रखेंगे। इसके अन्तर्गत 'राज्य व्यापी नवाचार खोज एवं संकलन' कार्यक्रम की शुरूआत विषयों के चयन (जिसमें शिक्षक अपने सूक्ष्म नवाचार करते हैं) से हुई। राज्य स्तर पर 10 विषयों को चिन्हित करते हुए जनपद स्तर पर नवाचार प्रपत्र का संकलन कराया गया। जनपदों से प्राप्त चयनित नवाचारों को

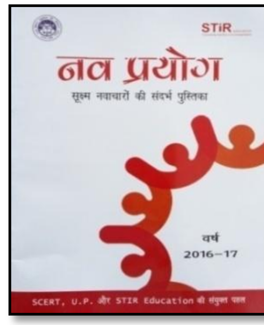

विषयवार चिन्हित करते हुए राज्य स्तरीय विशेषज्ञों द्वारा उत्कृष्ट नवाचारों को चयनित किया गया। वर्ष 2014–15 में राज्य स्तर पर 75 नवाचारों को चिन्हित किया गया तथा वर्ष 2015–16 में 26 उत्कृष्ट नवाचारों को चयनित किया गया। चयनित नवाचारी प्रयोगों को करने वाले शिक्षकों को प्रदेश स्तर पर Innovative Certificateप्रदान किया गया। सत्र 2016–17 में एस0सी0ई0आर0टी0 एवं STIR द्वारा न्याय पंचायत स्तर पर प्रदेश के 7 जनपदों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में PLC (Professional Learning Community)का निर्माण किया जा रहा है।

- यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित कार्यशाला के आधार पर Roadmap for Teacher Education in UP तैयार किया गया है। Roadmap को विकसित करने में एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0 एवं अधीनस्थ इकाइयों, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्य, जनपद स्तर पर विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लिया गया है। Roadmap for Teacher Education in UP की भांति 5 जनपदों यथा जौनपुर, गौतमबुद्धनगर, इटावा, बांदा एवं फैजाबाद द्वारा अपने जनपद हेतु Roadmap for Teacher Education in UP तैयार किया गया।

- **एन0सी0ई0आर0टी0** नई दिल्ली द्वारा विज्ञान एवं गणित विषय में अधिगम गुणवत्ता उन्नयन प्रोजेक्ट हेतु वाराणसी तथा मिर्जापुर जनपद का चयन किया गया है। प्रथम चरण में इन दोनों जनपदों के प्रत्येक विकास खण्ड से तथा जनपद के आदर्श ग्राम के एक–एक उच्च प्राथमिक विद्यालय को चयनित किया गया है। चयनित विद्यालयों में बेस लाइन सर्वेक्षण किया जा रहा है। बेस लाइन में प्राप्त आकड़ों के आधार पर वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करते हुए अप्रैल 2017 से गुणवत्ता उन्नयन प्रोजेक्ट को प्रारंभ किया जायेगा।

- सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा समाज कल्याण/जनजाति विकास विभाग, उ0प्र0 द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्रदेश के 58 जनपदों एवं कक्षा 7 तथा 8 में प्रवेश हेतु प्रदेश के 8 जनपदों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन दिनांक 14.02.2016 को कराया गया।

Joint Review Mission 2016 का प्रदेश भ्रमण

शिक्षक शिक्षा योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा गठित Joint Review Mission टीम द्वारा दिनांक 17–20, अगस्त 2016 के मध्य उ0प्र0 का भ्रमण किया गया। टीम द्वारा परिषद के साथ–साथ जनपद वाराणसी, मथुरा, इलाहाबाद, आगरा, लखनऊ तथा फिरोजाबाद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, आई0ए0एस0ई0 इलाहाबाद तथा सी0टी0ई0 वाराणसी का भी भ्रमण किया गया तथा शिक्षक–शिक्षा कार्यक्रम की समीक्षा की गई। टीम द्वारा की गई संस्तुतियां–

Observations-

- The SCERT has prepared and placed new syllabus and study material for the D.El.Ed. at www.scertup.co.in
- DIET-Mathura has been working to strengthen extension activities through efforts in collaborative learning by participatory approach between society, school, institution and state.
- There is an inspiring illustration of inclusive education observed in DIET-Lucknow.
- The production of teaching learning material (TLM) in these two DIETs is vigorously pursued.
- Specific modules for school internship are produced and distributed among students.
- The use of ICT enabled services are observed in DIET Lucknow and Mathura.

Recommendation	Implementation
The SCERT may take lead in making teacher educators aware of all innovations that can be possible through CSSTE.	SCERT under CSSTE has identified innovations regarding classroom transaction in different subjects, use of ICT, Inclusion, school development. SCERT has shared identified innovations with teacher educators at DIETs.
There is a dire need of renovation in old buildings of DIETs. Many institutions have heritage buildings that need to be reclaimed and refurbished	In annual plan of teacher education, proposal for renovation and strengthening of physical infrastructure of DIETs is regularly incorporated. Due to paucity of funds, the same is not approved.
The State may develop a Roadmap to educate teacher educators with a view to make them efficient & effective teacher educators	Roadmap for teacher education developed in year 2015. Time-line for different programmes/ activities under CSSTE and SSA is already prepared and shared.
Our institutions need to have infrastructure facilities and amenities as per the requirement of NCTE Rules and Regulations 2014. The State Authority may set up its own Review and Monitoring mechanisms to ensure that the norms are implemented in its own institutions.	More financial resources are needed to comply with infrastructural requirement mentioned in NCTE rules and regulations under CSSTE. DIET's grading mechanism has been developed which is based on quality of training, human resource, and physical infrastructure norms.
There is a dire need of procuring ICT enabled gadgets and software for training purpose.	Under CSSTE Rs. 140 Lacs have been approved in 2016-17 for strengthening ICT enabled gadgets at DIETs.
The state must ensure the appointment of Lecturers as early as possible to ensure quality education. Their orientation and capacity building will also need immediate attention.	UPPSC has started communicating selected applicants' details, out of advertised 1280 post of Teacher Educators (Lecturers).
The use of ICT is essential and must be included in the curriculum. There is a need for computer and other resource centres as per NCTE Rules and Regulations 2014.	BTC curriculum has been designed in such a way that 'use of ICT' is an essential component of training process for every subject/paper.
The SCERT needs to put in place an academic review and follow-up monitoring mechanism.	System for Grading of DIETs has been developed. Online line Grading System will be developed in year 2017-18.
The state should develop such DIETs where innovative practices are observed as model DIETs.	Since last JRM, SCERT is developing 10 model DIETs in different reions of U.P., DIET Mathura and Lucknow are among these DIETs.
CTE must be developed as resource centre for the teachers of catchment area.	In spite of shortage of human resource CTEs are giving In-service training to secondary school teachers under CSSTE.
IASE is to take lead in research activities and training of teacher educators	In spite of shortage of human resource CTEs are giving In-service training to secondary school principals under CSSTE.

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों का अनुश्रवण तथा निरीक्षण

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा जनपदों में संचालित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियों का अनुश्रवण तथा निरीक्षण करने हेतु प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों को संबंधित मण्डल/जनपद का नोडल अधिकारी नामित करते हुए यह दायित्व सौंपा गया कि संबंधित अधिकारी आंवटित जनपदों/मण्डल का प्रति माह भ्रमण कर निरीक्षण करेगें। साथ ही जनपद में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों/कार्यों का अनुश्रवण एवं अनुसमर्थन करेगें। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा अधिकारियों ने निरीक्षण प्रपत्र पर उल्लेखित कार्यक्रमों/डायट की ग्रेडिंग हेतु विकसित प्रपत्र पर निरीक्षण/अनुश्रवण कर रिपोर्ट परिषद कार्यालय को उपलब्ध करायी जिसके अनुसार डायट में शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने/उन्नयन हेतु अग्रेतर कार्यवाही किये जाने की व्यवस्था है।

डायट में प्रशिक्षुओं से मुखातिब सहायक उप शिक्षा निदेशक • हिन्दुस्तान

प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण

बाराबंकी। निदेशक एससीईआरटी लखनऊ के निर्देशानुसार सहायक उप शिक्षा निदेशक प्रणव सिंह ने डायट गनेशपुर का निरीक्षण किया। डायट के श्रेणीकरण के लिए अकादमिक अनुश्रवण करने पहुंचे श्री सिंह ने डायट प्राचार्य डा. पवन कुमार के साथ डायट परिसर, कार्यालय, क्लासरूम, लाइब्रेरी एवं हास्टल आदि का अवलोकन किया। प्रशिक्षुओं की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए संस्थान में लगी बायोमेट्रिक टाइम अटेंडेंस मशीनों के रख-रखाव का निरीक्षण किया। बीटीसी प्रशिक्षुओं से जानकारी ली साथ ही प्रशिक्षण आदि के बारे में सुझाव दिये। इस मौके पर प्रज्ञा यादव प्रवक्ता, आर.पी. सिंह, पंकज कुमार, रमेश चन्द्र, देवेश प्रताप, गिरीश चन्द्र व आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

जनपद स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण

राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा अपने जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जनपद स्तरीय संदर्भदाता तैयार करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये।

1. आरंभिक गणित शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा विकसित मॉड्यूल के आधार पर जनपदों में चार दिवसीय आरंभिक गणित शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराया गया। जिसमें आरंभिक स्तर पर गणित विषय को रूचिकर एवं प्रभावी बनाने तथा विभिन्न अवधारणाओं को स्पष्ट करने हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा देने पर जोर दिया गया। साथ ही नवीन गतिविधियों से अवगत कराया गया।

2. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आधारित शिक्षक प्रशिक्षण

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वस्थ एवं स्वच्छता के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। विद्यालयी स्वच्छता के अंतर्गत पर आने वाले बिन्दुओं जैसे व्यक्तिगत स्वच्छता, विद्यालय भवन, कक्षा–कक्ष, विद्यालय प्रांगण, रसोई घर, भोजन स्थल, पेय जल की स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं कचरा प्रबंधन विषय पर प्रतिभागियों को समूह बनाकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को स्वयं अपनाने एवं बच्चों को जानकारी देने तथा प्रशिक्षण में सीखी गई विषयवस्तु को विद्यालय एवं समाज में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

3. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन आधारित गणित प्रशिक्षण (कक्षा 6–8 तक के शिक्षकों हेतु)–सतत एवं व्यापक मूल्यांकन आधारित गणित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा 6 से 8 तक गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में गणितीय दृष्टिकोण का विकास एवं विद्यालयों में गणित शिक्षा का वातावरण सृजित करना है।

4. MOOC Contact Classes

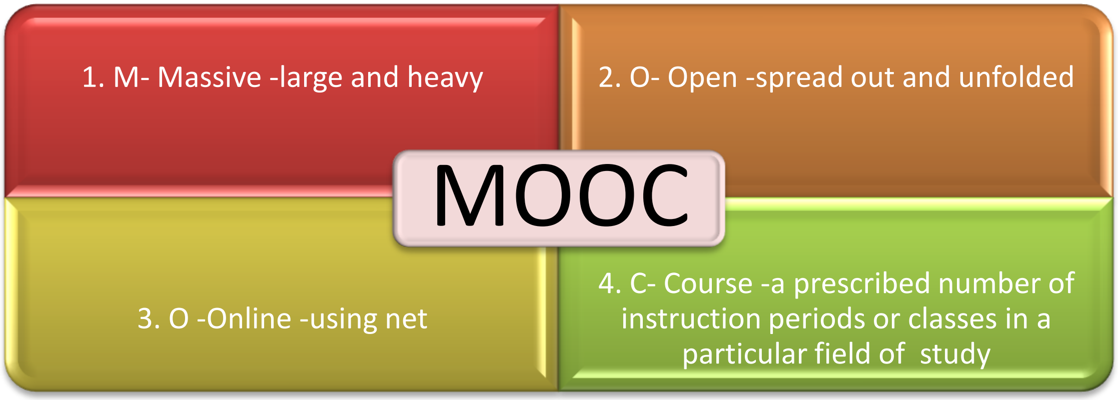

वर्ष 2016–17 में Tess India के सहयोग से जनपद स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को 200 शिक्षकों को Tess India OERपर आधारित MOOC (Massive Open Online Course) के प्रशिक्षण का लक्ष्य दिया गया, जिसके क्रम में लगभग15000 प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 4 Contact Classes आयोजित की गई जिनमें शिक्षकों को MOOC(Massive Open Online Course) की आनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया एवं कोर्स से सम्बन्धित facilitation दिया गया। सफल प्रतिभागियों को ऑल लाइन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

5. विद्यालय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

NUEPA (National University of Educational Planning and Administration) द्वारा संदर्भित 10 दिवसीय विद्यालय नेतृत्व क्षमता का विकास (School Leadership development) कार्यक्रम 25 जनपदों यथा अलीगढ़, इलाहाबाद, बहराइच, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, चन्दौली, इटावा, गोण्डा, हमीरपुर, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कुशीनगर, लखनऊ, महराजगंज, मथुरा, मेरठ, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रायबरेली, सीतापुर, रामपुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया जिसमें परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 100 प्रधानाध्यापकों/प्रधानाध्यापिकाओं को शामिल किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 2500 प्रतिभागी प्रशिक्षित किये गये। प्रधानाध्यापकों को विद्यालय नेतृत्व के मुख्य 6 क्षेत्रों (1) Perspective on School Leadership (2) Devloping self (3) Transforming Teaching learning process (4) Building and leading

teams (5) Leading innovation (6) Leading partnership से परिचित कराया गया। प्रतिभागियों द्वारा अपने विद्यालय हेतु विद्यालय विकास योजना तैयार की गयी।

6. योग प्रशिक्षण

परिषद द्वारा विकसित योग माड्यूल के आधार पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा अपने जनपद के सेवारत शिक्षकों को 3 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें शिक्षकों को यौगिक क्रियाओं के अभ्यास के साथ–साथ विभिन्न विषयों को योग से जोड़ते हुए पढ़ाने के विषय में अवगत कराया गया। शिक्षकों द्वारा इस प्रशिक्षण में बड़े उत्साह से प्रतिभाग किया गया।

7. आर्ट एण्ड क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत आधारित शिक्षण प्रशिक्षण

विद्यालयी वातावरण, कक्षा–कक्ष वातावरण तथा शिक्षण प्रक्रिया को सरल, रूचिकर एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इस प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया है, जिससे छात्र–छात्राओं के संरचनात्मक विकास के साथ–साथ उन्हें कला, शिल्प, संगीत आदि का भी सहज अनुभव हो, इस दृष्टि से कला, शिल्प, पपेट्री तथा संगीत शिक्षण को केन्द्रित कर छात्र–छात्राओं को अपनी सर्जनात्मक क्षमता को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया गया है। इस मॉड्यूल के आधार पर एस0सी0ई0आर0टी0 में मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कक्षा–कक्ष प्रक्रिया को रोचक व जीवंत बनाने तथा ज्ञान को आर्ट एण्ड क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीतसे जोड़ते हुए पाठ्यचर्या को नियोजित के कौशल को विकसित करने में सहायक रहा।

परिषद की इकाइयों द्वारा संपन्न करायी गई प्रमुख गतिविधियाँ

- **इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन एजूकेशन(आई0ए0एस0ई0), इलाहाबाद–**

माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का क्षमता संवर्धन संबंधी आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 15.11.2016 से 19.11.2016 तक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रधानाचार्यों में विद्यालय में आने वाली चुनौतियों एवं उनका समाधान कुशलतापूर्वक करने की क्षमता का विकास करना है। कक्षा–शिक्षण के साथ–साथ पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने की आवश्यकता एवं तरीकों तथा प्रबंधन तथा आहरण और वितरण आदि के नियमों से अवगत कराया गया।

- **कालेज ऑफ टीचर एजूकेशन (सी0टी0ई0), लखनऊ/वाराणसी–**

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा निर्धारित कक्षा 9 एवं 10 के नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार माध्यमिक विद्यालयों के क्रमशः 99 तथा 82 विज्ञान शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया गया।

- **कालेज ऑफ टीचर एजूकेशन (सी0टी0ई0), इलाहाबाद–**

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा निर्धारित हिन्दी भाषा एवं व्याकरण के नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार माध्यमिक विद्यालयों के हाई–स्कूल स्तर के शिक्षकों हेतु हिन्दी भाषा एवं व्याकरण को सुगम बनाने हेतु पाँच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद–**

राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा कक्षा 1,2 व 3 की पाठ्यपुस्तकों का विकास, परफार्मेन्स इण्डीकेटर्स (PINDICS) व लर्निंग इण्डीकेटर्स (LINDICS) का विकास, प्राथमिक स्तर की शिक्षक सन्दर्शिका का विकास किया गया। राज्य शिक्षा संस्थान में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कराये जाने की भी व्यवस्था की गयी है।

- **राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, इलाहाबाद–**

राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान द्वारा कक्षा 6 से 8 तक विज्ञान एवं गणित की पाठ्यपुस्तकों का संशोधन एवं परिमार्जन किया गया है। कक्षा 6 से 8 तक के विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षकों हेतु शिक्षक संदर्शिका का भी विकास किया गया।

स्वच्छता की शपथ

माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश श्रीमती अनुपमा जायसवाल की अध्यक्षता में दिनांक 23.03.2017 को राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के कार्यालय में 'स्वच्छता शपथ' ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'स्वच्छता शपथ' ग्रहण कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा परिवार के समस्त अधिकारीगण एवं अभिकर्मियों को शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम में श्री अजय कुमार सिंह, सचिव, बेसिक शिक्षा, श्री उदय भानु त्रिपाठी, विशेष सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश सचिवालय के बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ, निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, निदेशक, वैकल्पिक शिक्षा एवं साक्षरता, निदेशक, मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण तथा प्राचार्य, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ ने अपने अधिकारियों एवं अभिकर्मियों सहित प्रतिभाग किया।

माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री महोदया द्वारा अपने उद्‌बोधन में अनुशासन, समयबद्धता, स्वच्छता, पारदर्शिता, ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिये गये। माननीय मंत्री महोदया द्वारा बेसिक शिक्षा परिवार से अपेक्षा की गयी कि उनके सहयोग के बिना सरकार के उद्‌देश्यों की पूर्ति नहीं हो सकती, अतः हम सभी इस प्रकार कार्य करें कि प्रारम्भिक पाँच महीनों में ही कुछ सकारात्मक परिणाम परिलक्षित होने लगे। स्वच्छता के सन्दर्भ में माननीय मंत्री महोदया द्वारा हमें अपने घर, कार्यस्थल आसपास के स्थानों में स्वच्छता के साथ–साथ अपने अंतर्मन तथा समाज की स्वच्छता का भी ध्यान रखने हेतु प्रेरित किया गया।

निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री महोदया को सरकार के बेसिक शिक्षा से सम्बन्धित अभीष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विश्वास दिलाया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया।

CENTRALLY SPONSORED SCHEME OF TEACHER EDUCATION

(Expenditure statement during year 2016-17)

State council of educational research & Training (SCERT) U.P

Fig. in Lakh 28.02.17

Sl.No.	Name of Institution	Component	Approved Budget 2016-17	Approved central Share 60%	Recived Central Share Ist instalment	Balance Central Share for released	Expenditure Central Share 60%	Expenditure State Share 40%	Total Expenditure Till Feb.17	Balance Central Share Till Feb.17
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
Recurring										
1	DIETs of U.P (70)	Salaries	7658.45	4595.07	3446.30	1148.77	2464.51	1643.00	4107.51	981.79
		Programme and activites	1386.00	831.60	623.70	207.90	415.80	277.20	693.00	207.90
		Technology in Teacher Education	140.00	84.00	63.00	21.00	0.00	0.00	0.00	63.00
		Monitring Management & Evaluvation	187.59	112.55	84.41	28.14	0.00	0.00	0.00	84.41
		Sub Total	**9372.04**	5623.22	**4217.41**	**1405.81**	**2880.31**	**1920.20**	**4800.51**	**1337.10**
2	CTEs, U.P (03)	Programme and activites	33.00	19.80	14.85	4.95	9.90	6.62	16.52	4.95
		Sub Total	**33.00**	19.80	**14.85**	**4.95**	**9.90**	**6.62**	**16.52**	**4.95**
3	IASE U.P (1)	Programme and activites	5.75	3.45	2.57	0.88	1.72	1.16	2.88	0.85
		Sub Total	**5.75**	3.45	**2.57**	**0.88**	**1.72**	**1.16**	**2.88**	**0.85**
4	SCERT, U.P	Specific projects for academic activities	20.00	12.00	9.00	3.00	6.00	4.00	10.00	3.00
		Capacity building	10.00	6.00	4.50	1.50	3.00	2.00	5.00	1.50
		Induction training of Teacher education	28.00	16.80	12.60	4.20	8.40	5.60	14.00	4.20
		Sub Total	**58.00**	**34.80**	**26.10**	**8.70**	**17.40**	**11.60**	**29.00**	**8.70**
		Grand Total	**9468.79**	**5681.27**	**4260.93**	**1420.34**	**2909.33**	**1939.58**	**4848.91**	**1351.60**
Non-Recurring										
1	DIETSs	Construction of 03 new DIETs Kasganj, Amethi & Ghaziabad	1140.24	684.14	0.00	684.14	0.00	0.00	0.00	0.00
		Total	**1140.24**	**684.14**	**0.00**	**684.14**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
	Grand Total(Rec+Non-Rec)		**10609.03**	**6365.42**	**4260.93**	**2104.49**	**2909.33**	**1939.58**	**4848.91**	**1351.60**